SETH R. C. S. ARTS & COMMERCE COLLEGE DURG (C.G.)

Report of the Event/Competitions organized by College

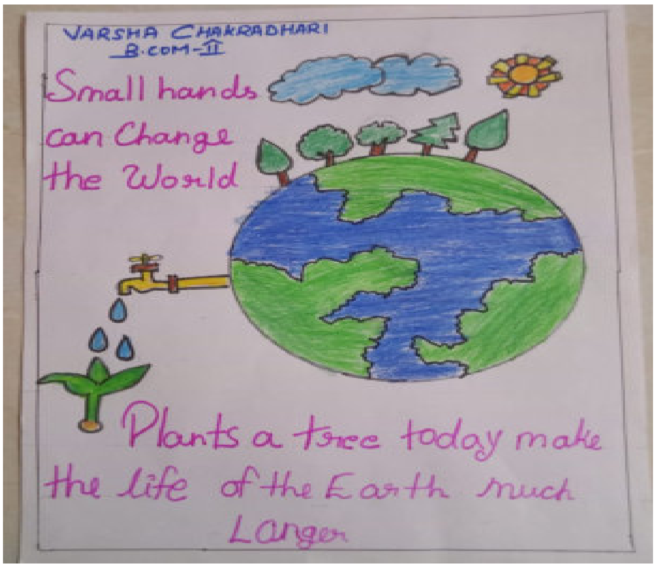

कार्यालय प्राचार्य
सेठ आर.सी.एस. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग)
Email: rcscollege1964@gmail.com, Phone: 0788-2322457

पत्र क्र0 **SRCS/Q1/June/2021** दुर्ग, दिनांक 10/06/2021

प्रति,

कुलसचिव
हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

विषय : राजभवन, रायपुर से प्राप्त निर्देश के परिपालन में महाविद्यालयों में कोरोना संक्रमण से रोकथाम संबंधी जागरूकता जागृत करने हेतु तथा जल संरक्षण से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम के महाविद्यालयों में ऑनलाईन रूप से आयोजन विषयक।

संदर्भ : आपका पत्र क्र0 540/कुल.कार्या/2021 दिनांक 20.05.2021

महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत संदर्भित लेख है कि सेठ आर. सी. एस. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय दुर्ग में आपके निर्देशानुसार कोरोना संक्रमण रोकथाम व जल संरक्षण जागरूकता हेतु ऑनलाइन प्रतियोगिता सम्पन्न किया गया। आयोजित प्रतियोगिता एवं परिणाम निम्नानुसार आपकी ओर सादर प्रेषित है–

क्र0	प्रतियोगिता का नाम	प्रथम स्थान	द्वितीय स्थान	तृतीय स्थान
1	जल संरक्षण जागरूकता पोस्टर प्रतियोगिता स्नातक स्तर पर	सुनीति शर्मा बी.काम.अंतिम	अर्चना कसार बी.काम.प्रथम	रमन सिंह राजपूत बी.काम.प्रथम
2	जल संरक्षण जागरूकता पीपीटी प्रेजेन्टेसन प्रतियोगिता स्नातकोत्तर स्तर पर	आरती चंद्राकर एम.ए.राजनीति विज्ञान प्रथम सेमेस्टर	सूरज झा एंव विजय मिश्रा एम.काम.चतुर्थ सेम0	–
3	कोरोना संक्रमण रोकथाम जागरूकता स्लोगन प्रतियोगिता स्नातक स्तर	चुनिता साहू बी.काम.प्रथम	उत्कर्ष श्रीवास्तव बी.काम.अंतिम	रोशनी कसेर बी.काम.अंतिम
4	कोरोना संक्रमण रोकथाम जागरूकता शोर्ट फिल्म प्रतियोगिता स्नातकोत्तर स्तर	तुका सिंह यादव	शबनम परवीन	–

प्रतियोगिता के अतिरिक्त कोरोना एंव जल संरक्षण जागरूता हेतु महाविद्यालय परिसर में फ्लैक्स लगाया गया है।

संलग्न – उपरोक्तानुसार

प्राचार्य
Principal
Seth R.C.S. Arts & Commerce
College DURG (C.G.)

Scanned with CamScanner

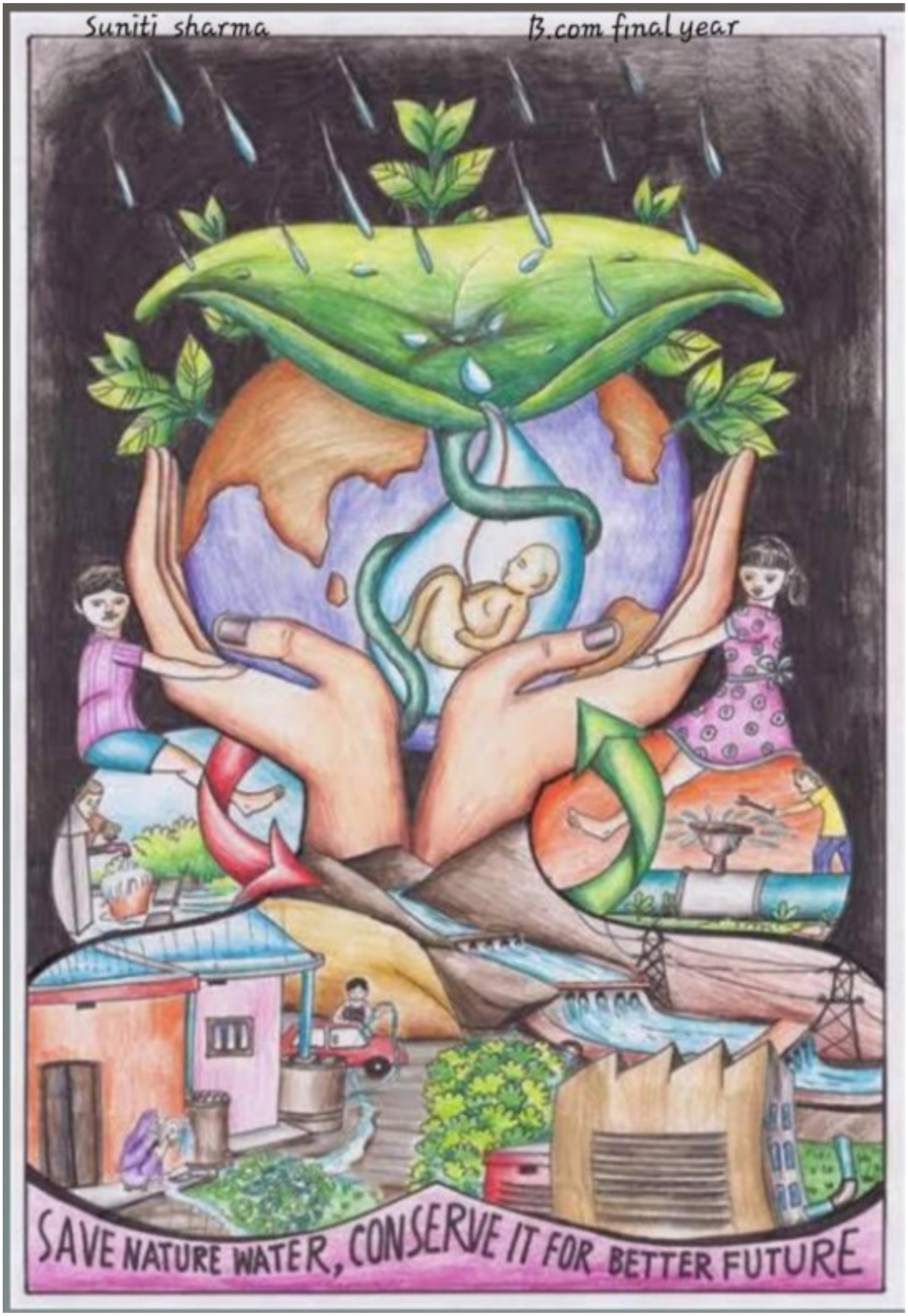
Suniti sharma
B.com final year
SAVE NATURE WATER, CONSERVE IT FOR BETTER FUTURE

जल संरक्षण नहीं करने के परिणाम
जल ही जीवन है इसे बचाने का प्रयास करें

Seth R.C.S. Arts and Commerce College, Durg (C.G)

On the occasion of "SUPER HERO DAY" Dated on 28-04-2021

College organized a competition to write 5 line on our covid Super Heroes.

1st Prize

2nd Prize

3rd Prize

Judges of the event

Dr. Rachna Pandey
Asst. professor Education dep.
Swami Swaroopanand Saraswati
Mahavidyalaya, Hudco, Bhilai

Dr. Pramod Tiwari
Asst. professor phys Education,
N.S.S. Officers
Seth RCS Arts &Commerce
College, Durg

Organized by :-

Dr. Durga shukla (Hindi Dep.)

Mrs. Pavandeep kaur (commerce Dep.)

All the candidates who participated had done extremely outstanding.
Congratulation to all participant.

Seth RCS Arts and Commerce College, Durg (C.G)

on the eve of world book day, Dated on 23 april

1 minute video making competition is being organized by the college

1st Prize

2nd Prize

3rd Prize

Judges of the event

Dr. Sunita Verma
Head of department (Hindi)
Swami Swaroopanand Saraswati Mahavidyalaya, Hudco, Bhilai

Dr. Pramod Yadav
Head of department of political science
Seth RCS Arts &Commerce College, Durg

All the candidates who participated had done extremely outstanding.
Congratulation to all participant.

विभिन्न स्तरों पर जल संरक्षण

Presented By

Aarti chandrakar

M.A(poli. science)1st sem

SETH R.C.S.ARTS/COMMERCE COLLEGE DURG

OUTLINE

1. प्रस्तावना
2. उद्देश्य
3. जल संरक्षण की जरूरत
4. जल संकट की एक रिपोर्ट
5. जल संरक्षण के दायित्व
6. जल को कैसे बचायें
7. निष्कर्ष

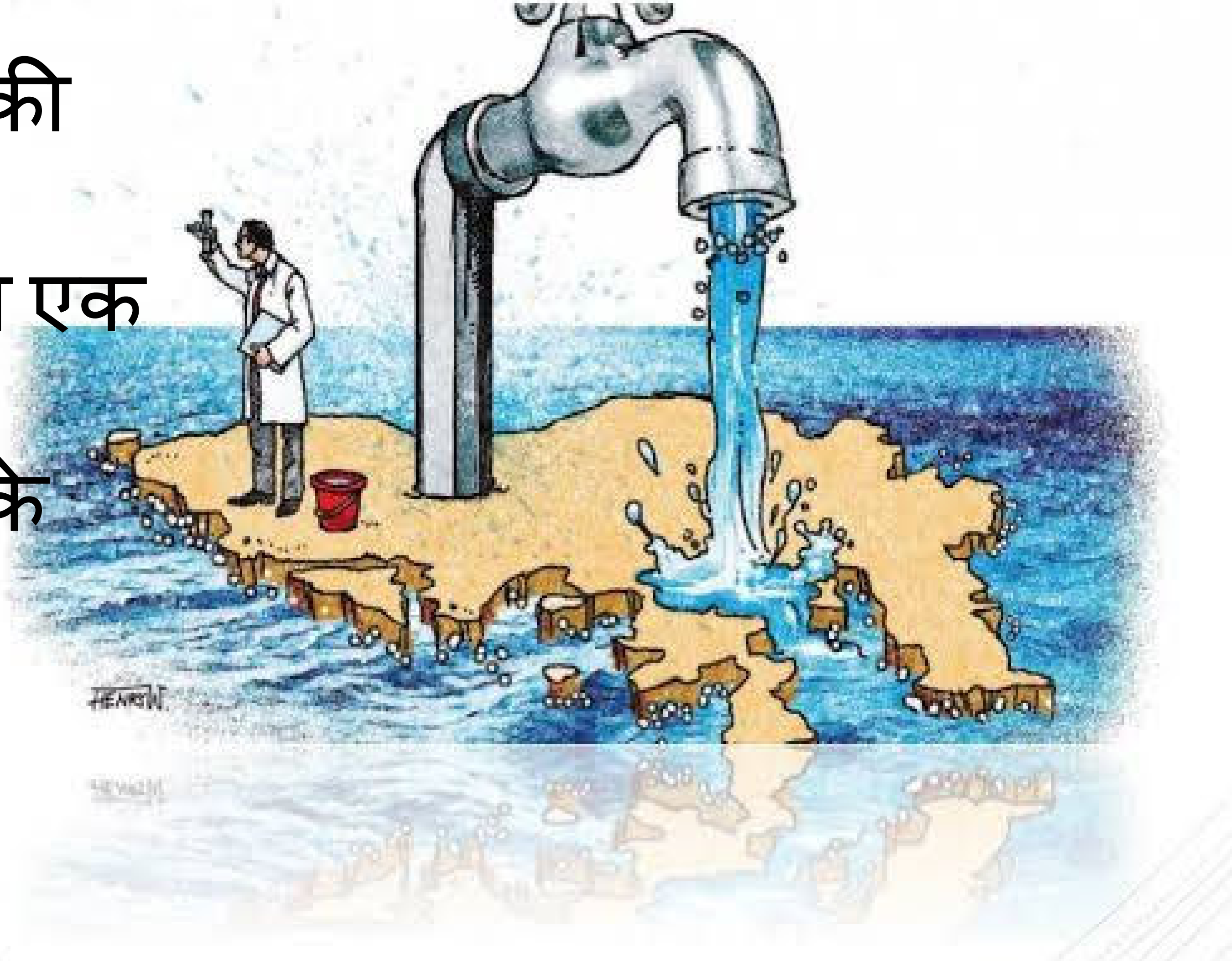

प्रस्तावना

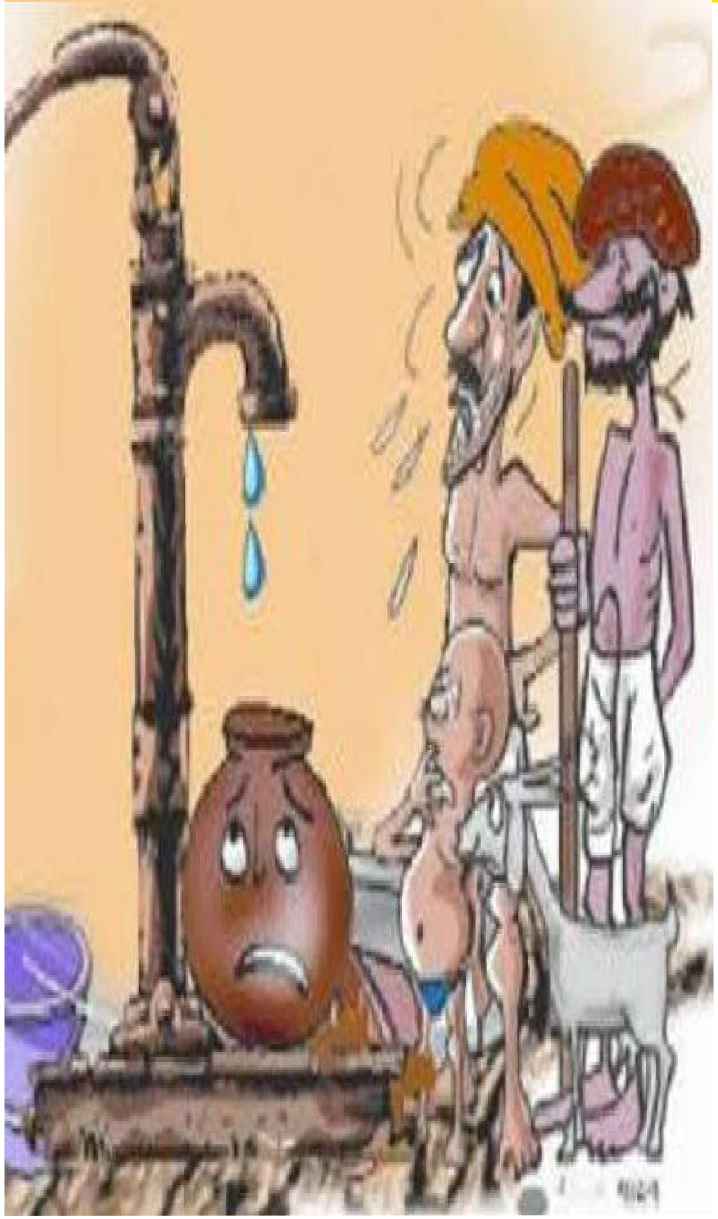

भविष्य में जल की कमी की समस्या को सुलझाने के लिये जल संरक्षण ही जल बचाना है। भारत और दुनिया के दूसरे देशों में जल की भारी कमी है जिसकी वजह से आम लोगों को पीने और खाना बनाने के साथ ही रोजमर्रा के कार्यों को पूरा करने के लिये जरूरी पानी के लिये लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। जबकि दूसरी ओर, पर्याप्त जल के क्षेत्रों में अपने दैनिक जरुरतों से ज्यादा पानी लोग बर्बाद कर रहें हैं। हम सभी को जल के महत्व और भविष्य में जल की कमी से संबंधित समस्याओं को समझना चाहिये। हमें अपने जीवन में उपयोगी जल को बर्बाद और प्रदूषित नहीं करना चाहिये तथा लोगों के बीच जल संरक्षण और बचाने को बढ़ावा देना चाहिये।

उद्देश्य

जीवन को यहाँ संतुलित करने के लिये धरती पर विभिन्न माध्यमों के दवारा जल संरक्षण ही जल बचाना है।

धरती पर सुरक्षित और पीने के पानी के बहुत कम प्रतिशत के आकलन के दवारा, जल संरक्षण या जल बचाओ अभियान हम सभी के लिये बहुत जरूरी हो चुका है। औदयोगिक कचरे की वजह से रोजाना पानी के बड़े स्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। जल को बचाने में अधिक कार्यक्षमता लाने के लिये सभी औदयोगिक बिल्डिंग, अपार्टमेंट्स, स्कूल, अस्पतालों आदि में बिल्डरों के दवारा उचित जल प्रबंधन व्यवस्था को बढ़ावा देना चाहिये। पीने के पानी या साधारण पानी की कमी के दवारा होने वाली संभावित समस्या के बारे में आम लोगों को जानने के लिये जागरुकता कार्यक्रम चलाया जाना चाहिये। जल की बर्बादी के बारे में लोगों के व्यवहार को मिटाने के लिये इसकी त्वरित जरुरत है।

जल संरक्षण की जरूरत

धरती पर जीवन के अस्तित्व को बनाये रखने के लिये जल का संरक्षण और बचाव बहुत जरूरी होता है क्योंकि बिना जल के जीवन सभव नहीं है। पूरे ब्रह्माण्ड में एक अपवाद के रुप में धरती पर जीवन चक्र को जारी रखने में जल मदद करता है क्योंकि धरती इकलौता अकेला ऐसा ग्रह है जहाँ पानी और जीवन मौजूद है। पानी की जरुरत हमारे जीवन भर है इसलिये इसको बचाने के लिये केवल हम ही जिम्मेदार हैं। संयुक्त राष्ट्र के संचालन के अनुसार, ऐसा पाया गया है कि राजस्थान में लड़कियाँ स्कूल नहीं जाती हैं क्योंकि उन्हें पानी लाने के लिये लंबी दूरी तय करनी पड़ती है जो उनके पूरे दिन को खराब कर देती है इसलिये उन्हें किसी और काम के लिये समय नहीं

जल संकट की एक रिपोर्ट

राष्ट्रीय अपराध रिकार्डस ब्यूरो के सर्वेक्षण के अनुसार, ये रिकार्ड किया गया है कि लगभग 16,632 किसान (2,369 महिलाएँ) आत्महत्या के द्वारा अपने जीवन को समाप्त कर चुके हैं, हालांकि, 14.4% मामले सूखे के कारण घटित हुए हैं। इसलिये हम कह सकते हैं कि भारत और दूसरे विकासशील देशों में अशिक्षा, आत्महत्या, लड़ाई और दूसरे सामाजिक मुद्दों का कारण भी पानी की कमी है। पानी की कमी वाले ऐसे क्षेत्रों में, भविष्य पीढ़ी के बच्चे अपने मूल शिक्षा के अधिकार और खुशी से जीने के अधिकार को प्राप्त नहीं कर पाते हैं।

जल संरक्षण के दायित्व

भारत के जिम्मेदार नागरिक होने के नाते, पानी की कमी के सभी समस्याओं के बारे में हमें अपने आपको जागरुक रखना चाहिये जिससे हम सभी प्रतिज्ञा ले और जल संरक्षण के लिये एक-साथ आगे आये। ये सही कहा गया है कि सभी लोगों का छोटा प्रयास एक बड़ा परिणाम दे सकता है जैसे कि बूंद-बूंद करके तालाब, नदी और सागर बन सकता है।

जल संरक्षण के लिये हमें अतिरिक्त प्रयास करने की जरुरत नहीं है, हमें केवल अपने प्रतिदिन की गतिविधियों में कुछ सकारात्मक बदलाव करने की जरुरत है जैसे हर इस्तेमाल के बाद नल को ठीक से बंद करें, फव्वारे या पाईप के बजाय धोने या नहाने के लिये बाल्टी और मग का इस्तेमाल करें। लाखों लोगों का एक छोटा सा प्रयास जल संरक्षण अभियान की ओर एक बड़ा सकारात्मक परिणाम दे सकता है।

जल को कैसे बचायें

रोजाना पानी को कैसे बचा सकते हैं उसके लिये हमने यहाँ कुछ बिन्दु आपके सामने प्रस्तुत किये हैं:

लोगों को अपने बागान या उद्यान में तभी पानी देना चाहिये जब उन्हें इसकी जरुरत हो।

पाइप से पानी देने के बजाय फुहारे से देना अधिक बेहतर होगा जो प्रति आपके कई गैलन पानी को बचायेगा।

पानी को बचाने के लिये सूखा अवरोधी पौधा लगाना अच्छा तरीका है।

पानी के रिसाव को बचाने के लिये पाइपलाइन और नलों के जोड़ ठीक से लगा होना चाहिये जो प्रतिदिन आपके लगभग 20 गैलन पानी को बचाता है।

कार को धोने के लिये पाइप की जगह बाल्टी और मग का इस्तेमाल करें जो हर आपके 150 गैलन पानी को बचा सकता है।

फुहारे के तेज बहाव के लिये अवरोधक लगाएँ जो आपके पानी को बचायेगा।

पूरी तरह से भरी हुई कपड़े धोने की मशीन और बर्तन धोने की मशीन का प्रयोग करें जो प्रति महीने लगभग 300 से 800 गैलन पानी बचा सकता है।

प्रति दिन अधिक पानी को बचाने के लिये शौच के समय कम पानी का इस्तेमाल करें।

हमें फलों और सब्जियों को खुले नल के बजाय भरे हुए पानी के बर्तन में धोना चाहिये।

बरसात के पानी को जमा करना शौच, उद्यानों को पानी देने आदि के लिये एक अच्छा उपाय है जिससे स्वच्छ जल को पीने और भोजन पकाने के उद्देश्य के लिये बचाया जा सकता है।

निष्कर्ष

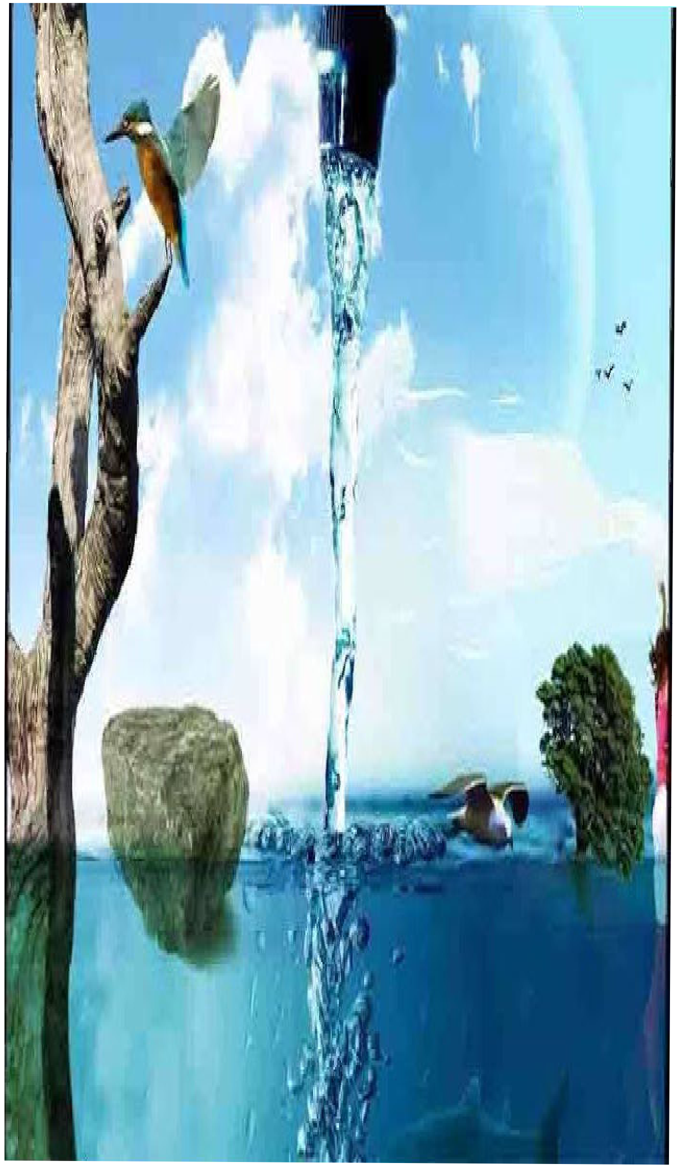

पृथ्वी पूरे ब्रह्माण्ड का एकमात्र ऐसा ग्रह है जहाँ पानी और जीवन आज की तारीख तक मौजूद है। इसलिये, हमें अपने जीवन में जल के महत्व को दरकिनार नहीं करना चाहिये और सभी मुमकिन माध्यमों के प्रयोग से जल को बचाने की पूरी कोशिश करनी चाहिये। पृथ्वी लगभग 71% जल से घिरी हुई है हालांकि, पीने के लायक बहुत कम पानी है। पानी को संतुलित करने का प्राकृतिक चक्र स्वत: ही चलता रहता है जैसे वर्षा और वाष्पीकरण। हालांकि, धरती पर समस्या पानी की सुरक्षा और उसे पीने लायक बनाने की है जोकि बहुत ही कम मात्रा में उपलब्ध है। जल संरक्षण लोगों की अच्छी आदत से संभव है।